संगीत विशारद

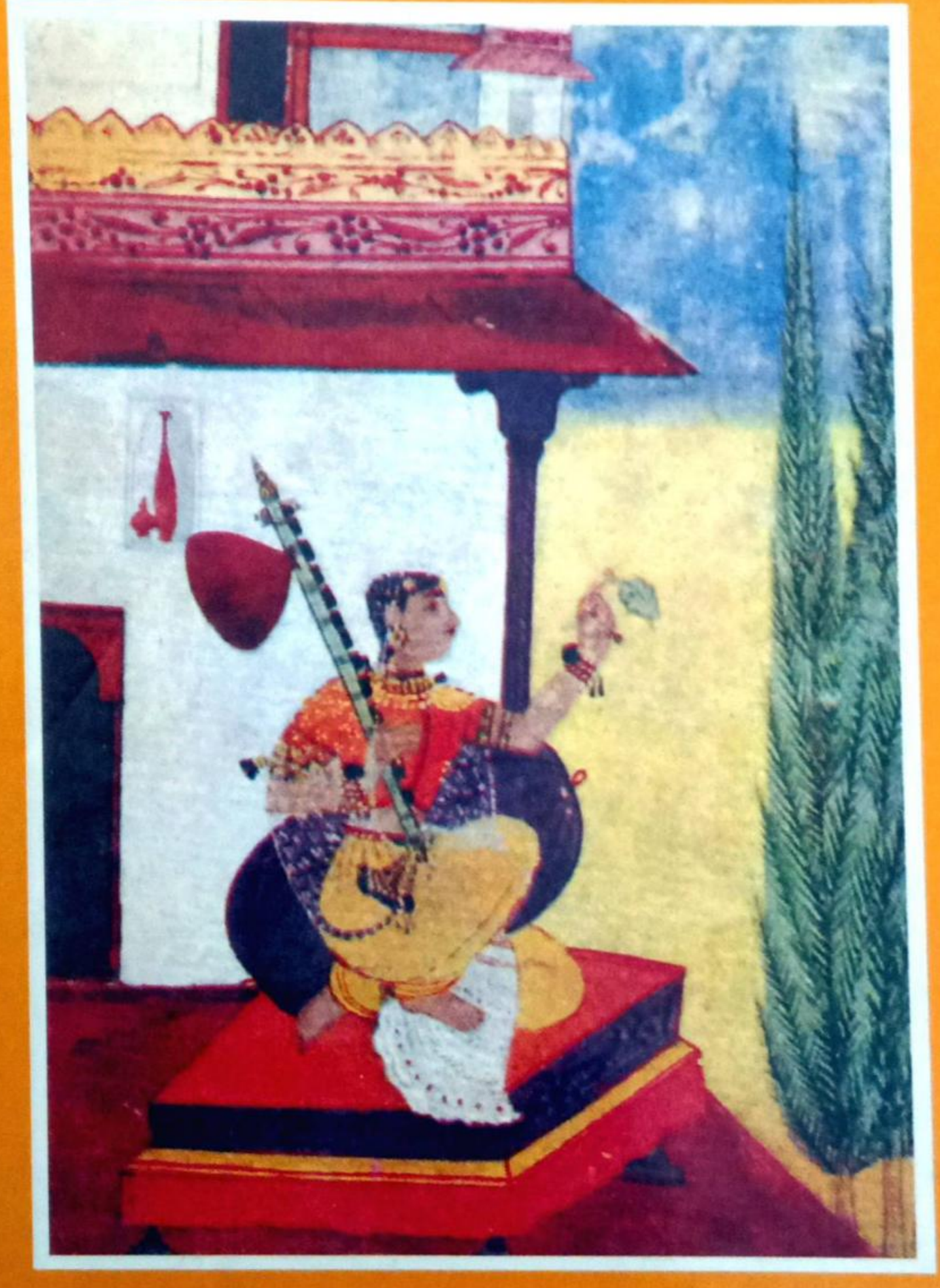

वसन्त

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

संगीत की धरोहर ६

पुस्तकालय और संगीत ६, स्वर विज्ञान और संगीत १०, गोष्ठियाँ और संगीत ११

भारतीय संगीत की उत्पत्ति १२

संगीत के इतिहास-काल का विभाजन १३

उत्तर भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास १४

हिन्दू काल १४, वैदिक युग १५, बौद्ध युग १७, पौराणिक काल १८, स्मृति ग्रन्थों में संगीत, मौर्य काल १८, कनिष्क काल, गुप्त काल १६, हर्षवर्धन काल, यवन काल २०, ख़िलजी युग, अमीर ख़ुसरो २१, तुग़लक युग, लोधी काल, मुग़ल काल २२, अकबर, तानसेन और बैजू बाबरा २३, स्वामी हरिदास, सूर, कबीर, तुलसी और मीरा २४, अँग्रेज काल २६, संगीत–प्रचार का आधुनिक काल, स्वतन्त्र भारत में संगीत २७

सौन्दर्य-शास्त्र (Aesthetics) २६

ललित कलाओं का तात्विक अंतः सम्बन्ध, काव्य और चित्रकला ३०, चित्रकला और मूर्तिकला, संगीत कला और मूर्ति कला, संगीत कला और स्थापत्य कला ३१, अन्य कलाओं में संगीत का स्थान, संगीत का प्रभाव ३२

संगीत का स्वर-पक्ष ३३

संगीत, स्वर ३३, शुद्ध स्वर, शुद्ध, तीव्र और विकृत (कोमल) स्वर ३४, श्रुति और स्वर का विवेचन ३५, स्वरों में श्रुतियाँ बाँटने का नियम ३६, श्रुति और स्वर-तुलना ३७, श्रुति स्वरूप ३८, प्राचीन तथा मध्यकालीन ग्रन्थकारों की श्रुतियाँ ३६, आधुनिक ग्रन्थकारों की श्रुतियाँ, प्राचीन व आधुनिक श्रुति-स्वर-विभाजन ४०, तुलनात्मक विवेचन ४३, विविध गुणोत्तरों का नक्शा ४५

सारणा चतुष्टयी ४८

प्रमाण श्रुति और श्रुति परिमाण, मूल सप्तक ४८, प्रथम सारणा, द्वितीय सारणा, तृतीय सारणा, चतुर्थ सारणा ४६, श्रुतियाँ के परिमाण ५०

दक्षिणी (कर्नाटिकी) और उत्तरी (हिन्दुस्तानी) संगीत-पद्धतियाँ ५२

हिन्दुस्तानी संगीत ५२, कर्नाटिक संगीत, समानता, भिन्नता ५३, उत्तरी और दक्षिणी स्वरों की तुलना ५४

उत्तर और दक्षिण भारत का संगीत ५५

दक्षिणी ताल-पद्धति ६४

७ कर्नाटिक-तालों के पञ्च जाति भेदानुसार पैंतीस प्रकार ६५, अठ ताल के पच्चीस प्रकार ६७, कर्नाटिक-पद्धति की सात तालों को हिन्दुस्तानी-पद्धति में लिखने का कायदा ६६

ध्वनि-विज्ञान ७१

नाद ७१, सांगीतिक और असांगीतिक ध्वनि ७२, तारता ७३, तीव्रता, प्रबलता या नाद का छोटा बड़ापन, नाद की जाति या गुण ७५, ध्वनि से सम्बन्धित कुछ अन्य बातें, ध्वनि का अनुरणन ७६, ध्वनि का परावर्तन, ध्वनि आवर्तक ७७, ध्वनि विवर्तन, ध्वनि का व्यतीकरण ७८, अनुनाद ७६, प्रतिध्वनि, ध्वनि का दोलन और वहन ८०, वायु का स्प्रिंग ८१, अनुदैर्घ्य तरंग, ध्वनि के शक्ति-श्रोत ८२, ध्वनि वेग ८३, सारणी ८४, अति ध्वनि या पराश्रव्य ८६, कर्णातीत ध्वनि का उपयोग ८७, ध्वनि-विज्ञान से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण पारिभाषिक शब्द ८८

ध्वनि तरंग और उपकरण (Sound-Waves and Apparatus) ६०

ध्वनि उत्पादन और तरंग ६०, आवर्त गति, सरल आवर्त गति, रैखिक सरल आवर्त गति की विशेषताएँ, कोणीय सरल आवर्त गति की विशेषताएँ ६१, ध्वनि-संचार, माइक्रोफ़ोन और लाउडस्पीकर की कार्यप्रणाली ६२, उत्पादक वस्तु का कम्पन आयाम, माध्यम का घनत्व, रिकार्डिंग पद्धति ६३

Scanned by TapScanner

संगीत वाद्य और ध्वनि तरंग ६४
तार वाद्यों का कम्पन ६४, वायलिन (बेला) तथा सारंगी की ध्वनि-तरंगें ६६, वीणा, सितार, या तानपूरा की ध्वनि-तरंगें ६७, सुषिर वाद्ययन्त्र ६६

वाद्य-यन्त्रों की कम्पन संख्या १०१
डोल (थरथराहट) की उत्पत्ति और स्वरों पर उनका प्रभाव १०३

ध्वनि-अभिलेखन तथा पुनरुत्पादन १०६
ध्वनि-अभिलेखन या रिकार्डिंग की आवश्यकता और आविष्कार, वैक्स-रिकॉर्डिंग १०६, विद्युत ध्वन्यांकन, विद्युत से ध्वनि का पुनरुत्पादन १०८, मैग्नेटिक रिकार्डिंग १०६, मैग्नेटिक रिकॉर्डिंग की पद्धति ११०, सेल्यूलाइड फ़िल्म-ध्वन्यांकन १११, फ़िल्म की ध्वन्यांकन पद्धति, फ़िल्म से ध्वनि का पुनरुत्पादन ११२, अल्ट्रावाइलेट ध्वन्यांकन, स्टीरियोफ़ोनिक यन्त्र ११३, कॉम्पैक्ट डिस्क (सीडी), चिप्स ११४

भवन ध्वनिकी (Architectural Acoustics) ११५
प्राचीन काल के सभा गृह ११५, संगीत सभा गृह ११७, आवश्यक गुण, ध्वनि की वृद्धि तथा क्षेत्र ११८, अनुरणन काल, शब्दोच्चार परीक्षा, भवन ध्वनिकी के आकार-प्रकार (डिज़ायन) सिद्धान्त ११६, ध्वनि प्रवेश १२१

स्वर-शास्त्र (Tonality) १२२
स्वर स्थान और आन्दोलन संख्या, स्वरों की आन्दोलन संख्या निकालना १२२, स्वरों का गुणान्तर, आन्दोलन संख्या से लम्बाई निकालना १२३, पंडित भातखंडे वर्णित शुद्ध तथा विकृत स्वरों की सारणी १२८, श्रीनिवास के शुद्ध स्वर, श्रीनिवास के विकृत स्वर १२६, तीव्र ग, तीव्रतर मध्यम, कोमल धैवत १३०, तीव्र निषाद, श्रीनिवास के पाँच विकृत स्वर १३१, कोमल ऋषभ, कोमल धैवत, मंजरीकार (भातखण्डे) के बारह स्वर स्थान, वीणा के तार पर १३३, मतैक्य (समानता), मतभेद (असमानता) १३४, स्वरों की इष्टता, अनिष्टता और संवाद सम्बन्ध १३५, स्वर संवाद और संघात १३६, यूरोपीय स्वर संवाद १३६, भारतीय तथा यूरोपीय स्वर संवाद १४०, स्वरान्तर १४२, स्वरों की गणना से सम्बन्धित चार्ट १४३

संगीत के सप्तक का विकास १४५
पायथागोरस का स्वर सप्तक १४५, षड्ज-पंचम-भाव से सप्तक का निर्माण, षड्ज-मध्यम-भाव के आधार पर सप्तक की रचना, डायाटॉनिक स्केल की रचना १४६, इस सप्तक की बड़ी अड़चन, औसत स्वरान्तर सप्तक, समानांतरालीय स्वर सप्तक १४७, स्केल, मेजर स्केल, टैट्राकॉर्ड १४८, माइनर स्केल १४६, क्रोमैटिक स्केल १५१, भारतीय स्वर सप्तक का विकास, भारत के षड्ज ग्राम के स्वरों का विकास १५२, बिलावल ठाठ की मान्यता १५३

संगीत में ठाठ (थाट) पद्धति का विकास १५५
ठाठ व्याख्या, ठाठ के विषय में कुछ महत्त्वपूर्ण बातें १५७, दस ठाठों के सांकेतिक चिन्ह, बहत्तर ठाठों की रचना का सिद्धान्त १५८

उत्तर-भारतीय संगीत-पद्धति के बारह स्वरों से बत्तीस ठाठ १६१
शुद्ध मध्यम वाले सोलह मेल १६१, तीव्र मध्यम वाले सोलह मेल १६२

उत्तर-भारतीय संगीत-पद्धति के दस ठाठों से उत्पन्न कुछ राग १६४

वेंकटमखी पंडित के बहत्तर मेल (ठाठ) १६६
वेंकटमखी पंडित के उन्नीस मेल और उनके स्वर १६७, पंडित वेंकटमखी के जनक-मेल तथा जन्य राग १६८, राग लक्षणम् के बहत्तर कर्नाटिकी मेल १६६, राग-लक्षणम् (कर्नाटिकी पद्धति) के बहत्तर मेल और उनके स्वर १७०, प्रति मध्यम वाले छत्तीस मेल १७२

नाद-स्थान, सप्तक, वर्ण, अलंकार, राग और ग्राम मूर्च्छना १७५
नाद-स्थान, सप्तक १७५, वर्ण १७६, अलंकार १७७, राग, रागों की जाति १७८, ग्राम-मूर्च्छना १८१, मूर्च्छना,

Scanned by TapScanner

सान्तरा मूर्च्छनाएँ १८२, सकाकली मूर्च्छनाएँ, साधारणी कृता, आधुनिक संगीत में मूर्च्छनाओं का उपयोग १८३

जाति-गायन १८५

अंश, ग्रह १८५, तार-मन्द्र, न्यास, अपन्यास, सन्यास, विन्यास १८६, अल्पत्त्व-बहुत्त्व, औडव-षाडव १८७, रागों के आधुनिक दस लक्षण १८८

रागों के लक्षण १८६

राग-भेद, वादी, संवादी, अनुवादी और विवादी १८६, आश्रय-राग १६०, रागों का समय-विभाजन १६१, पूर्वांगवादी राग, उत्तरांगवादी राग १६२, स्वर और समय की दृष्टि से रागों के तीन भाग १६३, सन्धि प्रकाश राग, शुद्ध 'रे–ध' वाले राग १६४, कोमल 'ग–नि' वाले राग, तीव्र मध्यम वाले राग १६५, तीव्र 'ग' तथा कोमल 'नि' वाले राग, कोमल 'ग' तथा कोमल 'नि' वाले राग, प्रातःकालीन सन्धि प्रकाश रागों से सायंकालीन सन्धि प्रकाश रागों तक का क्रम १६६, संगीत के दिन-रात १६७

अध्वदर्शक स्वर 'मध्यम' का महत्त्व १६८

परमेल प्रवेशक राग १६६

हिन्दुस्तानी संगीत-पद्धति के चालीस सिद्धांत २००

रागों में वादी स्वर का महत्त्व २०४

राग में विवादी स्वर का प्रयोग २०५

राग-रागिनी-पद्धति २०७

राग रागिनी-वर्गीकरण, नाट्य-शास्त्र, बृहद्देशी २०७, संगीत मकरन्द, संगीत-रत्नाकर २०८, शिव-मत (सोमेश्वर मत) के छह राग और छत्तीस रागिनियाँ, भरत मत के छह राग और तीस रागिनियाँ २०६, कल्लिनाथ के छह राग छत्तीस रागिनियाँ, हनुमन्मत के छह राग और तीस रागिनियाँ २१०

गायकों के गुण-अवगुण २१२

गायक के गुण २१३, गायक के अवगुण २१५

यन्त्र-वादकों के गुण-दोष २१७

वादक के गुण, वादक के दोष २१७

नायक व गायक आदि के भेद २१८

वाग्गेयकार के गुण व दोष २१६, मध्यम और अधम वाग्गेयकार २२१

गीत, गान्धर्व, गान, मार्ग संगीत, देशी संगीत, ग्रह, अंश और न्यास २२२

चतुर्दण्डी और उसकी अवधारणा २२५

ठाय, गीत २२५, प्रबन्ध, आलाप २२६

प्राचीन प्रबन्ध-गायन अथवा शैलियाँ २२७

स्वर, विरुद, पद, तेनक, पाट, ताल, मेदिनी जाति, आनन्दिनी जाति २२८, दीपिनी जाति, भाविनी जाति, तारावली जाति, उद्ग्राह, ध्रुव, मेलापक, आभोग, राग कदम्ब २२६, मातृका प्रबन्ध, पंचतालेश्वर प्रबंध, कैवाड़ प्रबन्ध, द्विपदी प्रबन्ध, द्विपथक प्रबन्ध २३०, रूपक और वस्तु, निर्युक्त प्रबन्ध, अनिर्युक्त प्रबन्ध २३१

आधुनिक प्रबन्ध-गायन या संगीत शैलियाँ २३२

ध्रुवपद २३२, ध्रुवपद की चार वाणियाँ, चार वाणियों के प्रधान लक्षण २३३, ख़याल, टप्पा २३५, ठुमरी, तराना २३६, तिरवट या त्रिवट, होरी-धमार, ग़ज़ल, क़व्वाली, दादरा २३७, सादरा, ख़मसा, लावनी, चतुरंग, सरगम, रागमाला, लक्षण–गीत २३८, भजन-गीत, कीर्तन, गीत, कजली (कजरी) चैती, लोक-गीत २३६

प्राचीन आलाप-तान तथा अन्य परिभाषाएँ २४१

स्वस्थान २४१, रूपकालाप, आलप्तिगान, आविर्भाव-तिरोभाव २४२, स्थाय, मुखचालन, आक्षिप्तिका, निबद्ध-अनिबद्ध गान, विदारी, अल्पत्त्व २४३, बहुत्त्व, पकड़ २४४, मीड़, सूत, आन्दोलन, गमक, कण, तान, शुद्ध तान २४५, कूटतान, मिश्रतान, खटके की तान, झटके की तान, वक्रतान, अचरक तान, सरोक तान, लड़ंत तान, सपाट तान २४६, गिटकरी तान, जबड़े की तान, हलक़ तान, पलट-तान, बोल-तान, आलाप, बढ़त २४७

सामवेदकालीन संगीत २४८

आधुनिक आलाप-तान २५५

Scanned by TapScanner

आलाप में लय की गति, गमक-प्रकार २५७
रागों का दस विभागों में वर्गीकरण करने का प्राचीन सिद्धान्त २६०
ग्राम-राग २६०
आदत-जिगर-हिसाब २६३
भारतीय स्वरलिपि पद्धति २६५
१४४ रागों का वर्णन (प्रथम वर्ष से अष्टम वर्ष तक) २६६-३३६
अड़ाना, अल्हैया बिलांवल, अहीर भैरव, आनन्द भैरव २७१, आभोगी, आरभी या आरभटी २७२, आसावरी, आभोगी-कानड़ा, कलावती, कामोद २७३, काफ़ी, काफ़ी-कानड़ा २७४, कालिंगड़ा, कीरवाणी, कुकुभ, केदार २७५, कोमल ऋषभ आसावरी, कौशिक कानड़ा अथवा कौंसी २७६, खट, खमाजी, दुर्गा २७७, खंबावती, गान्धारी, गारा २७८, गूजरी या गूर्जरी तोड़ी, गुणकरी या गुणक्री २७९, गुणकली, गोरख कल्याण, गौड़-मल्हार २८०, गौड़-सारंग, गौरी (भैरव थाट), गौरी (पूर्वी थाट) २८१ चन्द्रकान्त, चन्द्रकौंस, चारुकेशी, चाँदनी केदार २८२, छायानट, जयन्तमल्हार २८३, जलधरकेदार, जयजयवन्ती, जैतश्री या जैताश्री २८४, जैत या जेत, जैत कल्याण २८५, जोग, जोगिया २८६, जोगकौंस, जौनपुरी २८७, झिंझोटी, तिलक कामोद, तिलंग २८८, तोड़ी, दरबारी, दरबारी-कानड़ा २८९, दुर्गा, देवगिरी बिलावल, देवगान्धार २९०, देशकार, देस, देसी २९१, धनाश्री, नन्द, नट बिलावल, नट बिहाग २९३, नटमल्लार, नायकी कानड़ा, २९४, नारायणी, पटदीप, पटमंजरी २९५, पंचम, प्रदीपकी या पटदीपकी २९६, परज, पहाड़ी, पीलू २९७, पूरिया, पूरिया धनाश्री २९८, पूर्वी, पूर्वा-कल्याण या पूरिया कल्याण, वृन्दावनी सारंग २९९, बरवा, बसन्त ३००, बसन्त बहार, बहार ३०१, बागेश्री, बिलासखानी तोड़ी, बिलावल २०२, विहाग, बिहागड़ा, बंगाल भैरव ३०३, भटियार या भटिहार, भीम, भीमपलासी ३०४, भंखार, भूपाल तोड़ी, भूपाली, भैरव ३०५, भैरव-बहार, भैरवी ३०६, मधुमाद सारंग, मधुवन्ती, मल्लार या मल्हार ३०७, मलुहाकेदार, मारवा ३०८, मारू बिहाग, मालगुंजी, मालश्री ३०९, मालीगौरा, मालकोश ३१०, मियाँ मल्लार, मियाँ की सारंग ३११, मुल्तानी, मेघ, मेघ मल्लार ३१२, माँड, यमन ३१३, यमन कल्याण, यमनी बिलावल ३१४, रागेश्री, रामकली, रामदासी मल्लार ३१५, रेवा, ललित, ललितपंचम ३१६, ललितागौरी, विभास (भैरव थाट), शंकरा ३१७, श्याम-कल्याण, शहाना ३१८, शुद्ध सारंग, शुक्ल बिलावल, शुद्ध कल्याण ३१९, शिवमत भैरव, सरपरदा, साजगिरी ३२०, सिंदूरा, सुघराई, सूरमल्लार ३२१, सूहा, सोहनी, श्री ३२२, हंसकंकणी, हंसध्वनि, हमीर ३२३, हिंडोल, हेमन्त ३२४।
ताल-मात्र-लय-विवरण ३२५
लय विवरण, लय की व्याख्या और उसे लिपिबद्ध करने का तरीका ३३१
उत्तर भारतीय संगीत-पद्धति की कुछ मुख्य तालें ३३७
तबला एवं पखावज पर दोनों हाथों के अलग-अलग तथा संयुक्त आघात का वर्णन ३४३
ताल वाद्य-वादकों के गुण-दोष ३४८
वाद्ययन्त्र परिचय, वाद्यों के प्रकार ३४९
तत वाद्य, या तन्तु वाद्य, सुषिर वाद्य, अवनद्ध वाद्य, घन वाद्य ३४९, सितार ३५०, सितार के अंग ३५३, सितार मिलाना ३५५, चल ठाठ और अचल ठाठ, सितार के बोल ३५६, तबला ३५७, तबला के घराने ३५८, तबला मिलाना, तबला के दस वर्ण ३६१, मृदंग खोल या पखावज ३६२, पखावज की बनावट, पखावज के बोल ३६३, तानपूरा या तम्बूरा ३६५, तानपूरा के अंग ३६६, तानपूरा के तार मिलाना ३६९, तानपूरा के स्वरों की कम्पन संख्या ३७०, वॉयलिन (बेला) ३७३, वॉयलिन के अंग ३७४, वीणा ३७५, इसराज, इसराज के मुख्य अंग, इसराज के चार तार ३७७, इसराज के परदा,

Scanned by TapScanner

बाँसुरी, बाँसुरी में सरगम निकालने की विधि ३७६

गायकों के प्रमुख घराने ३८०

ग्वालियर-घराना ३८०, जयपुर-घराना (अलिया-फत्तू) ३८१, दिल्ली घराना, पटियाला या पंजाब घराना ३८२, पंजाब घराना (अलिया फत्तू), पंजाब या पटियाला घराना, किराना घराना, आगरा घराना ३८४, दिल्ली घराना ३८५

संगीत के विभिन्न घरानों की परम्परा ३८६

१–तानसेन वंशावली ३८६, २–तानसेन के कन्यावंश के शिष्य ३८६, ३–ग्वालियर-घराना (प्रथम) ३६०, ४–ग्वालियर-घराना (द्वितीय), ५–सहसवान-घराना ३६१, ६–उदयपुर–घराना ३६२, ७–जयपुर-घराना, ८–आगरा–घराना, ९–किराना घराना (प्रथम) ३६४, १०–किराना घराना (द्वितीय), ११–किराना घराना (तृतीय) ३६५, १२–अतरौली-घराना ३६६, १३–विष्णुपुर-घराना ३६७, १४–बाराणसी घराना ३६८, १५–पंजाब–घराना (अलिया फत्तू) ३६९, १६–विष्णु दिगम्बर, १७–विष्णु नारायण ४००, १८–इमदादखानी-घराना ४०१, १९–मुश्ताक़ अली ख़ाँ (सितार), २०–सरोदिया गुलाम अली ख़ाँ का घराना ४०३, २१–सरोदिया अलाउद्दीन ख़ाँ का घराना ४०४, २२–कुदौसिंह पखावज-घराना, २३–ग्वालियर का मृदंग-घराना, २४–नाना साहब पानसे पखावज-घराना, २५–लखनऊ का तबला घराना ४०५, २६–वाराणसी तबला-घराना (प्रथम) ३६६, २७–वाराणसी तबला-घराना (द्वितीय), २८–वाराणसी तबला घराना (तृतीय), २९–वाराणसी तबला-घराना (चतुर्थ), ३०–फ़र्रुखाबाद तबला-घराना (प्रथम) ४०७, ३१–फ़र्रुखाबाद तबला-घराना (द्वितीय), ३२–मौलाबख़्श तबला-घराना, ३३–पंजाब तबला-घराना ४०८, ३४–दिल्ली तबला-घराना, ३५–मेवाती घराना ४०९,

कथक नृत्य के घराने ४१०

लखनऊ घराना, जयपुर घराना ४१०, बनारस घराना ४१२

ताल-वाद्यों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पखावज के घराने ४१३

पंजाब-घराना, कोदऊसिंह (दतिया) घराना, नाना-पानसे घराना, रामपुर-घराना ४१४, बाँदा-घराना, बंगाल-घराना, दरभंगा-घराना, गया-घराना, बनारस-घराना, अवधी (अयोध्या)-घराना, श्रीनाथद्वारा-घराना, मथुरा-घराना ४१५

छह राष्ट्रों का संगीत (चीन, जापान, ग्रीस, मिश्र, अरब, ईरान) ४१६

चीन का संगीत ४१६, जापान का संगीत ४२१, ग्रीस का संगीत ४२४/१, मिश्र का संगीत ४२४/३, अरब का संगीत ४२४/५, ईरान का संगीत ४२६

पाश्चात्य स्वरलिपि-पद्धति ४३२

सोल्फ़ा स्वरलिपि-पद्धति ४३२, न्यूम्स स्वरलिपि पद्धति, चीव स्वरलिपि पद्धति, स्टाफ़ स्वरलिपि पद्धति ४३३, सरल ताल-चिह्न ४४१, 'कम्पाउण्ड टाइम' अर्थात् यौगिक काल ४४४

पाश्चात्य संगीत में रिद्म (Rhythm) ४४७

पाश्चात्य संगीत में हारमॉनी और मैलॉडी ४४६

कण-स्वर और उनके प्रकार ४५५

पाश्चात्य संगीत-पद्धति में ठाठ व रागों का स्वरांकन ४५६

बिलावल ठाठ, खमाज ठाठ, काफ़ी ठाठ ४५६, आसावरी ठाठ, भैरवी ठाठ ४६०, भैरव ठाठ, पूर्वी ठाठ, तोड़ी ठाठ ४६१, कल्याण ठाठ, मारवा ठाठ ४६२

पाश्चात्य स्वरलिपि-लेखन ४६३

भारतीय वृन्द-वादन का ऐतिहासिक विवेचन ४६५

संगीत के कुछ प्रसिद्ध ग्रन्थ ४७०

नाट्य-शास्त्र ४७०, मतंगकृत 'बृहद्देशी'

Scanned by TapScanner

४७१, नारदकृत 'नारदीय शिक्षा', नारद-कृत 'संगीत मकरन्द', जयदेव-कृत 'गीत गोविन्द' ४७२, शार्ङ्गदेव-कृत 'संगीत-रत्नाकर' ४७३, 'स्वरमेल कला-निधि ४७४, 'मानकुतूहल', 'राग-तरंगिणी ४७५, पुण्डरीक विट्ठल के ग्रन्थ ४७५, सोमनाथ-कृत 'राग-विबोध', दामोदर-कृत 'संगीत-दर्पण' ४७६, अहोबल-कृत 'संगीत परिजात', हृदयनारायणदेव-कृत 'हृदय कौतुक' और 'हृदय प्रकाश' ४७७, अनूपसिंह-कृत 'अनूप संगीत–विलास', 'अनूप संगीत-रत्नाकर', 'अनूपांकुश', वेंकटमखी-कृत 'चतुर्दण्डिप्रकाशिका' ४७८, श्रीनिवास-कृत 'रागतत्त्व विबोध', मुहम्मद रज़ा-कृत 'नग़माते-आसफ़ी', सवाई प्रतापसिंह-कृत 'संगीत-सार', कृष्णानन्द व्यास-कृत 'संगीत-राग-कल्पद्रुम' ४७६

संगीतकारों का संक्षिप्त परिचय ४८०

जयदेव ४८०, शार्ङ्गदेव ४८१, अमीर खुसरो, गोपाल नायक ४८२, स्वामी हरिदास ४८३, तानसेन ४८४, बैजू बावरा, सदारंग-अदारंग ४८७, बालकृष्ण बुआ इचलकरंजीकर ४८८, पं० रामकृष्ण वझे ४८६, अब्दुल करीम खाँ ४६०, अल्लादिया ख़ाँ, बड़े गुलाम अली ख़ाँ ४६१, विनायकराव पटवर्धन, श्री कृष्णनारायण रातांजन्कर ४६२, भास्कर बुवा बखले ४६३, ओम्कारनाथ ठाकुर ४६४, फ़ैयाज़ ख़ाँ, नारायण मोरेश्वर खरे ४६५, डी० वी० पलुस्कर, अमीर ख़ाँ ४६६, गिरिजादेवी, कृष्णराव शंकर पंडित ४६७, कुमार गन्धर्व ४६६, किशोरी अमोणकर, पं० भीमसेन जोशी ५००, हद्दू ख़ाँ ५०१, हस्सू ख़ाँ ५०२, शिवकुमार शर्मा ५०३, अल्लारखा ख़ाँ ५०४, अहमदजान थिरकुवा, नाना पानसे ५०५, अयोध्या प्रसाद ५०६, स्वामी पागलदास ५०७, अलाउद्दीन ख़ाँ ५०८, अलीअकबर ख़ाँ, रविशंकर ५०६, विलायत ख़ाँ ५१०, अब्दुल हलीम जाफ़र ख़ाँ, निखिल बनर्जी ५११, मुश्ताक अली ख़ाँ, इलियास ख़ाँ ५१२, मसीत ख़ाँ, रजा ख़ाँ, अन्नपूर्णा देवी ५१३, एन० राजम्, शरन रानी, ज़रीन दारूवाला (शर्मा) ५१४, बिस्मिल्लाह खाँ, किशन महाराज, ज़ाकिर हुसैन, करामतुल्ला खाँ ५१५, अनोखेलाल, अमीर हुसैन खाँ, बीरू मिश्र, पं० बाचा मिश्र ५१६, पं० रामसहाय इनाम अली, नत्थू खाँ, रवीन्द्रनाथ टैगोर ५१७, इनायत खाँ ५१६, पं० विष्णुनारायण भातखंडे ५२०, पं० विष्णुदिगंबर पलुस्कर ५२१

पाश्चात्य संगीतकार ५२२

बाख़, मोज़ार्ट, बीथोविन ५२२, शूबर्ट ५२३

संगीत और जीवन ५२४

संगीत की शक्ति ५२७

संगीत और छन्दशास्त्र ५३१

पिंगल शास्त्र (छन्द-शास्त्र) और ताल ५३६

रागों का रस एवं भावों से सम्बन्ध ५४३

राग और ऋतुएँ ५४६

संगीत और रस ५४८

ताल और रस ५५१

ललित कलाओं में संगीत का स्थान ५५६

विभिन्न प्रदेशों की लोकप्रिय गीत-शैली (धुनें) व नृत्य ५६२

लोक संगीत का भाव-पक्ष ५६६

भारतीय वाद्य-परम्परा ५६८

लोक-संगीत के वाद्ययन्त्र ५७५

तत लोक-वाद्य ५७६, सुषिर वाद्य ५७७, अवनद्ध वाद्य ५७६, घन वाद्य ५८१, वाद्य वर्गीकरण ५८४,

पाश्चात्य संगीत के वाद्ययन्त्र ५८५

संगीत में काकु ५६१

भारतीय संगीत में सौन्दर्य-बोध ५६४

काव्य और संगीत ५६८

शास्त्रीय संगीत और लोक-संगीत ५६६

कंठ संस्कार (Voice Culture) ६००

ग्लोटिस की विभिन्न अवस्थाएँ ६०६, स्वर-यंत्र की रचना ६०७, स्वर-यंत्र का ऊपरी दृश्य ६०८

कण्ठ-साधना और पार्श्व-गायन ६१२

राग, निर्माण और स्वर-रचना के सिद्धान्त ६१७

Scanned by TapScanner

संगीत निर्देशन और उसकी कला ६२१
फिल्म संगीत की ऐतिहासिक परम्परा और उसके घराने ६३०
नटराज-उपाधि का रहस्य ६४६
तांडव और लास्य की उत्पत्ति ६५०
नृत्य-निर्देशन (Choreography) की कला ६५१
मंच का नृत्य ६५२, फिल्म का नृत्य ६५३, फिल्म के नृत्य का शॉट डिवीज़न ६५४
सरल एवं शास्त्रीय संगीत की तुलना ६५८
संगीत का मनोविज्ञान ६५६
वृन्दगान, वाद्यवृन्द, गीत-नाट्य और नृत्य-नाट्य ६६२
गाथागान, नृत्यगीत और गीतकाव्य ६६८
भारतीय नृत्य-कला ६७१
भरतनाट्यम्, कथकलि ६७२, मणिपुरी, कथक ६७३, कुचिपुड़ी ६७४, ओडिसी, मोहनी अट्टम् ६७५
नृत्याचार्य, नर्तक तथा नर्तकी के गुण दोष ६७७
वैणिक (वीणावादक), वांशिक (बाँसुरी वादक), कविताकार, नर्तक, नर्तकी के गुण-दोष एवं कलाकारों के भेद ६७६
रवीन्द्र संगीत ६८०
कविगुरु रवीन्द्रनाथ की वंशावली ६८१, रवीन्द्र संगीत का विश्लेषण ६८४, रवीन्द्र संगीत का आधार, रवीन्द्र संगीत का हिन्दी रूपान्तरण ६८५, रवीन्द्र संगीत के प्रकार ६८६, रवीन्द्र संगीत में ताल या छन्द ६८८, रवीन्द्र संगीत की विशेषताएँ ६६०
नज़रुल संगीत ६६५
बंगाल का लोक संगीत (भवइया, गंभीरा, बाउल, भटियाली, चटका और कीर्त्तन) ७०६
भवइया ७०६, गंभीरा ७०७, बाउल ७०६, भटियाली, चटका ७१०, कीर्त्तन ७११
मंच-प्रदर्शन और संगीत-समारोह ७१३
चित्रपट-संगीत, नाट्य-संगीत और ऑडियो-विजुअल-विधा ७२०
नाट्य और संगीत ७२६
शोध प्रबन्ध और उनकी रूपरेखा ७३४
कर्नाटिक संगीत की स्वरलिपि पद्धति ७३८
पाश्चात्य देशों में अवनद्ध वाद्यों का विकास ७४७
स्नेअर ड्रम ७५१, बेस ड्रम ७५२, टिम्पैनी, टेनर ड्रम ७५३
पंजाब का गुरमति संगीत ७५४
संगीत-वाद्यों में ध्वनि तरंगें ७६२
संगीत-वाद्यों में तरंगें ७६३
ध्वनि-विज्ञान से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य ७६८
विभिन्न माध्यमों में ध्वनि का वेग तथा प्रसारण ७७१
O^0c पर गैसों में ध्वनि का वेग, द्रवों द्वारा ध्वनि का प्रसारण ७७१, लकड़ी में ध्वनि का वेग, धातुओं के द्वारा ध्वनि का वेग ७७२
पाश्चात्य संगीत के कुछ शब्दों का स्पष्टीकरण ७७३
तानों का प्रस्तार तथा नष्ट-उद्दिश्य क्रम ७७७
संगीतलिपि चिह्न परिचय ७८५

□□□

Scanned by TapScanner